# केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः

## जयपुरपरिसरः, जयपुरम्

## ॥ सर्वदर्शनविभागः ॥

# भारतीयदर्शनं जीवनप्रबन्धनं च

**(Indian Philosophy & Life Management)**

### 1. कार्यक्रम का शीर्षक (Title of the programme) –

यह कार्यक्रम **डिप्लोमा – भारतीयदर्शनं जीवनप्रबन्धनं च** इस नाम से जाना जायेगा ।

The Programme shall be called -

"**Diploma in Indian Philosophy and Life Management.**

### 2. पाठ्यक्रम का विवरण (Description)-

**प्रस्तावना (Preamble) –** भारतीय दर्शन की पारम्परिक ज्ञानधाराओं में सार्थक एवं सफलतम जीवन जीने के अनेकानेक सूत्र विद्यमान हैं । वैदिक काल से लेकर आज तक भारतीय दर्शन के विविध पारम्परिक प्रस्थानों के महनीय आचार्यों की निरन्तर ज्ञानसाधना के फलस्वरूप तत्त्वमीमांसा, ज्ञानमीमांसा एवं आचारमीमांसा के क्षेत्र में भारतीय दर्शन ने समूचे विश्व को अनेक महत्त्वपूर्ण सिद्धान्त दिये हैं । भारतवर्ष की दार्शनिक ज्ञान-परम्परा में लौकिक और अलौकिक पुरुषार्थों का मञ्जुल समन्वय दृष्टिगोचर होता है । धर्म और मोक्ष जैसे अलौकिक पुरुषार्थों के साथ ही अर्थ और काम जैसे लौकिक पुरुषार्थों पर भी भारतीय मेधा ने समान रूप से चिन्तन किया है ।

न्याय- वैशेषिक का पद- पदार्थ चिन्तन, सांख्य दर्शन का प्रकृति-पुरुष विवेक, योग दर्शन का साधन मार्ग, मीमांसकों का कर्मवाद, वेदान्तियों का ब्रह्म, वैष्णवों की भक्ति, शैवों का प्रत्यभिज्ञान, चार्वाकों का भौतिकवाद, जैनों का अनेकान्तवाद और बौद्धों का आचारदर्शन आदि भारतीय दर्शन के विविध विचार मानवीय जीवन को सम्पूर्णता प्रदान करते हैं । प्राचीन काल से ही मानव के सर्वाङ्गीण अभ्युदय में दर्शन शास्त्र की भूमिका अत्यन्त महत्त्वपूर्ण रही है ।

वर्तमान प्रबन्धकीय विचारधारा का उद्गम एवं विकास, व्यवसाय के उद्गम एवं विकास के समानान्तर हुआ है । वैश्वीकरण के इस युग में उत्तरोत्तर वर्धमान व्यावसायिक परिदृश्य तथा इसके मानव के साथ जटिल अन्तःसम्बन्ध होने के कारण प्रबन्धन के क्षेत्र में 'जीवन-प्रबन्धन' जैसे नवीन विषयों की प्रासंगिकता तथा उपादेयता भी बढ रही है । भारत की **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020** में वर्णित **समग्र और बहुविषयक शिक्षा** के विचार को धरातल पर लाने के लिए विश्वविद्यालयों से इस प्रकार के पाठ्यक्रमों की संरचना की अपेक्षा की गयी है, जिनमें आधुनिक विषयों के साथ पारम्परिक अनुशासनों के महत्त्वपूर्ण विषयों का सुरुचिपूर्ण समाहार हो जिनके अध्ययन से आदर्श मानव का निर्माण किया जा सकें । वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में **भारतीय दर्शन और जीवन प्रबन्धन** यह पाठ्यक्रम इन अपेक्षाओं की पूर्ति करता है क्योंकि भारतीय दर्शन में अभिव्यक्त जीवन प्रबन्धन के सिद्धान्त सार्वभौमिक एवं सार्वकालिक है ।

इस डिप्लोमा पाठ्यक्रम की अवधि एक वर्ष है । अध्येता को कुल 06 क्रेडिट अर्जित करना होंगे । अध्यापन हिन्दी एवं सरल संस्कृत माध्यम से किया जायेगा ताकि सामान्य सामाजिक व्यक्ति भी सरलता से विषय को समझ सकें । अध्यापन में आधुनिकतम दृश्य श्रव्य माध्यमों का उपयोग किया जाना संकल्पित है । इस पाठ्यक्रम में अध्येताओं को जीवन प्रबन्धन के भारतीय दार्शनिक सिद्धान्तों के साथ ही व्यवहार प्रबन्धन आदि की दृष्टि से ध्यान की प्रायोगिक विधियों का प्रशिक्षण भी दिया जाना प्रस्तावित है ।

इस डिप्लोमा पाठ्यक्रम के साथ ही जयपुर परिसर के सर्वदर्शन विभाग में जनसामान्य के लिए एक **जीवनप्रबन्धन परामर्श केन्द्र** (Consultancy Center for Life Management) भी संचालित किया जा सकता है ।

### 3. उद्देश्य (Objectives of the programme) –

- भारतीय दर्शन के विविध प्रस्थानों का परिचय प्रदान करना ।
- प्रबन्धन विज्ञान एवं कला का परिचय प्रदान करना तथा जीवन प्रबन्धन की मौलिक अवधारणाओं को समझना ।
- सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण भारतीय दर्शन के जीवन प्रबन्धन सम्बन्धी विचारों को समझना ।
- वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में भारतीय दर्शन के जीवनप्रबन्धनपरक विचारों का संगतिपूर्ण समन्वय

- आधुनिक विचारधारा के अनुसार जीवन प्रबन्धन के महत्त्वपूर्ण बिन्दुओं यथा – समयप्रबन्धन (Time Management), व्यवहारप्रबन्धन (Behavior Management), स्वास्थ्यप्रबन्धन् (Health Management), वाक्प्रबन्धन (Speech Management), कर्मप्रबन्धन (Work Management) आदि सन्दर्भों में भारतीय दर्शन की विचारसरणि को जानना ।
- भारतीय दर्शन के उदात्त विचारों से समन्वित जीवन प्रबन्धन के प्रशिक्षित कुशल अध्येताओं का निर्माण करना ।

**ध्येय (Aim of the programme) –**

भारतीय दर्शन में अभिव्यक्त जीवन प्रबन्धन के श्रेष्ठ सार्वभौमिक विचारों के शिक्षण एवं प्रकाशन के द्वारा श्रेष्ठ मानव के रूप में प्रशिक्षित जीवन-प्रबन्धन-अनुदेशकों का निर्माण करना ।

**4. फलितांश (Outcome) –**

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के सम्भाव्य परिणाम निम्नांकित रहेंगे –

- अध्येता भारतीय ज्ञानपरम्परा में अभिव्यक्त कर्मप्रबन्धन, वाक्प्रबन्धन, व्यवहारप्रबन्धन, समयप्रबन्धन आदि जीवन प्रबन्धन के महत्त्वपूर्ण सिद्धान्तों को समझ सकेंगे एवं उनका उपदेश कर सकेंगे।
- वर्तमान में अनेक मल्टीनेशनल कम्पनियों में कार्यरत कर्मचारी कार्याधिक्य एवं अव्यवस्थित दिनचर्या के कारण अवसादों से घिरे हुए हैं इसलिए अनेक कम्पनियाँ अपने कर्मचारियों के जीवन में उत्साहवर्धन एवं गुणवत्तावृद्धि के लिए जीवनप्रबन्धन के उपदेशकों की सेवाएँ लेती हैं । इस पाठ्यक्रम में प्रशिक्षित अध्येता भारतीय दर्शन में निहित जीवन प्रबन्धन के विचारों को प्रचारित करते हुए स्वकीय परामर्श केन्द्र चला सकते हैं ।
- इस पाठ्यक्रम में प्रतिष्ठित सामाजिक व्यक्ति जैसे चिकित्सक, अभिभाषक, अभियान्त्रिक आदि अनेक वर्गों से लोग प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे फलतः भारतीय ज्ञान परम्परा के उदात्त विचारों की समाज में प्रतिष्ठा होगी ।
- दर्शनशास्त्र का लोकोपयोगी पक्ष अभिव्यक्त हो सकेगा ।
- शास्त्र का लोकोन्मुखीकरण तथा लोक का शास्त्रोन्मुखीकरण उभय प्रयोजनों की सिद्धि हो सकेगी ।

## 5. क्रेडिट एवं पाठ्यक्रम की अवधि (Credits & Duration of the programme) –

### Diploma in Indian Philosophy & Life Management

| Code | Subject | Time | Credits |
|---|---|---|---|
| DSCC- 01 | **भारतीय दर्शन एवं जीवनप्रबन्धन**<br>**Indian Philosophy & Life Management** | 15 Hours | 01 |
| DSE- 01 | **न्यायवैशेषिक दर्शन और जीवनप्रबन्धन**<br>**Nyaya-Vaisheshika & Life Management** | 15 Hours | 01 |
| DSE-02 | **सांख्य-योग और जीवनप्रबन्धन**<br>**Sankhya-Yoga & Life Management** | 15 Hours | 01 |
| | Total | 45 Hours | 03 |
| | Exit Title ⟹ | **Certificate Course** | |
| DSE- 03 | **मीमांसा और जीवनप्रबन्धन**<br>**Mimamsa & Life Management** | 15 Hours | 01 |
| DSE- 04 | **वेदान्तदर्शन और जीवनप्रबन्धन**<br>**Vedanta & Life Management** | 15 Hours | 01 |
| SEC- 01 | **भारतीय दर्शन और जीवनप्रबन्धन विषय में प्रवचन-कौशल का विकास**<br>**Skill Development of Discourses on Indian Philosophy & Life Management** | 15 Hours | 01 |
| | Total | 90 Hours | 06 |
| | Exit Title ⟹ | **Diploma** | |

- प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम की अवधि छः माह है । (Six Months for Certificate Course)
- डिप्लोमा के लिए इस पाठ्यक्रम की अवधि एक वर्ष है । (One Year for Diploma Course)
- डिप्लोमा के लिए सभी छः क्रेडिट् अर्जित करना है । प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम में विषय कूटांक DSCC – 01 अनिवार्य है । विषय कूटांक DSE 01 से DSE 04 तक में से किसी भी दो क्रेडिट् को अर्जित किया जा सकता है ।

DSCC- 01 **Indian Philosophy & Life Management**

(Total -15 Hours 01Credit)

| | | |
|---|---|---|
| I | Introduction to Philosophy | One Hour |
| II | **Introduction to Management** | One Hour |
| III | **Origin and Development of Indian Philosophy** | One Hour |
| IV | **Origin and Development of Management** | One Hour |
| V | **Introduction to Various School of Indian Philosophy** | One Hour |
| VI | **Indian Traditional Concept of Life Management** | One Hour |
| VII | **Acharya-Parampara of Indian Philosophy** | One Hour |
| VIII | **Principles of Life Management in Vedic Philosophy** | One Hour |
| IX | **Principles of Life Management in Upanishads** | One Hour |
| X | **Principles of Life Management in Shrimadbhagavad-Gita** | One Hour |
| XI | **Karma (Work)- Management in Indian philosophy** | One Hour |
| XII | **Behavior Management in Indian philosophy** | One Hour |
| XIII | **Speech Management in Indian philosophy** | One Hour |
| XIV | **Time Management in Indian philosophy** | One Hour |
| XV | **Stress Management in Indian philosophy** | One Hour |

DSCC - Discipline Specific Core Course

## DSE- 01 Nyaya-Vaisheshika & Life Management

(Total -15 Hours 01Credit)

| | | |
|---|---|---|
| I | Introduction to Nyaya-Darshana | One Hour |
| II | **Introduction to Vaisheshika-Darshana** | One Hour |
| III | **Acharya-Parampara of Prachin-Nyaya-Darshana** | One Hour |
| IV | **Acharya-Parampara of Navya-Nyaya-Darshana** | One Hour |
| V | **Acharya-Parampara of Vaisheshika-Darshana** | One Hour |
| VI | **Epistemology of Prachin-Nyaya-Darshana** | One Hour |
| VII | **Epistemology of Navya-Nyaya-Darshana** | One Hour |
| VIII | **Epistemology of Vaisheshika-Darshana** | One Hour |
| IX | **Principles of Life Management in Nyaya-Darshana** | One Hour |
| X | **Principles of Life Management in Vaisheshika-Darshana** | One Hour |
| XI | **Karma (Work)- Management in Nyaya-Vaisheshika-Darshana** | One Hour |
| XII | **Behavior Management in Nyaya-Vaisheshika-Darshana** | One Hour |
| XIII | **Speech Management in Nyaya-Vaisheshika-Darshana** | One Hour |
| XIV | **Time Management in Nyaya-Vaisheshika-Darshana** | One Hour |
| XV | **Stress Management in Nyaya-Vaisheshika-Darshana** | One Hour |

DSE - Discipline Specific Elective

## DSE- 02 Sankhya-Yoga & Life Management

(Total -15 Hours 01Credit)

| | | |
|---|---|---|
| I | Introduction to Sankhya -Darshana | One Hour |
| II | **Introduction to Yoga-Darshana** | One Hour |
| III | **Acharya-Parampara of Sankhya -Darshana** | One Hour |
| IV | **Acharya-Parampara of Yoga -Darshana** | One Hour |
| V | **Importance of Samadhi-Yoga in Life Management** | One Hour |
| VI | **Importance of Kriya-Yoga in Life Management** | One Hour |
| VII | **Importance of Ashtanga-Yoga in Life Management** | One Hour |
| VIII | **Epistemology of Sankhya-Yoga-Darshana** | One Hour |
| IX | **Principles of Life Management in Sankhya-Darshana** | One Hour |
| X | **Principles of Life Management in Yoga-Darshana** | One Hour |
| XI | **Karma (Work)- Management in Sankhya-Yoga-Darshana** | One Hour |
| XII | **Behavior Management in Sankhya-Yoga-Darshana** | One Hour |
| XIII | **Speech Management in Sankhya-Yoga-Darshana** | One Hour |
| XIV | **Time Management in Sankhya-Yoga-Darshana** | One Hour |
| XV | **Stress Management in Sankhya-Yoga-Darshana** | One Hour |

DSE - Discipline Specific Elective

DSE- 03 **Mimamsa & Life Management**

(Total -15 Hours 01Credit)

| | | |
|---|---|---|
| I | Introduction to Mimamsa -Darshana | One Hour |
| II | **Introduction to Various School of Mimamsa Philosophy** | One Hour |
| III | **Acharya-Parampara of Bhatta-Mimamsa** | One Hour |
| IV | **Acharya-Parampara of Prabhakari-Mimamsa** | One Hour |
| V | **Importance of Dharma-Mimamsa in Life Management** | One Hour |
| VI | **Importance of Pancha-Mahayajna in Life Management** | One Hour |
| VII | **Epistemology of Bhatta-Mimamsa** | One Hour |
| VIII | **Epistemology of Prabhakari-Mimamsa** | One Hour |
| IX | **Principles of Life Management in Bhatta-Mimamsa** | One Hour |
| X | **Principles of Life Management in Prabhakari-Mimamsa** | One Hour |
| XI | **Karma (Work)- Management in Mimamsa Philosophy** | One Hour |
| XII | **Behavior Management in Mimamsa Philosophy** | One Hour |
| XIII | **Speech Management in Mimamsa Philosophy** | One Hour |
| XIV | **Time Management in Mimamsa Philosophy** | One Hour |
| XV | **Stress Management in Mimamsa Philosophy** | One Hour |

DSE - Discipline Specific Elective

DSE- 04 **Vedanta & Life Management**

(Total -15 Hours 01Credit)

| | | |
|---|---|---|
| I | Introduction to Vedanta-Darshana | One Hour |
| II | **Introduction to Various School of Vedanta-Darshana** | One Hour |
| III | **Acharya-Parampara of Advaita-Vedanta** | One Hour |
| IV | **Acharya-Parampara of Advaita-Vedanta** | One Hour |
| V | **Importance of Brahma-Mimamsa in Life Management** | One Hour |
| VI | **Importance of Prasthana-Trayee in Life Management** | One Hour |
| VII | **Importance of Sakshibhava in Life Management** | One Hour |
| VIII | **Importance of Sadhana-Chatushtaya in Life Management** | One Hour |
| IX | **Principles of Life Management in Advaita-Vedanta** | One Hour |
| X | **Principles of Life Management in Vedanta** | One Hour |
| XI | **Karma (Work)- Management in Vedanta** | One Hour |
| XII | **Behavior Management in Vedanta** | One Hour |
| XIII | **Speech Management in Vedanta** | One Hour |
| XIV | **Time Management in Vedanta** | One Hour |
| XV | **Stress Management in Vedanta** | One Hour |

DSE - Discipline Specific Elective

SEC- 01

**Skill Development of Discourses on Indian Philosophy & Life Management**

(Total -15 Hours 01Credit)

| | | |
|---|---|---|
| I | Relevance of Indian Philosophy in Personality Development. | Five Hours |
| II | **Skill Development of the Discourse of Life Management as expressed in Indian Philosophy.** | Six Hours |
| III | **Video Recording, Editing, and uploading of speech to appropriate forums.** | Two Hours |
| IV | **Methods of publicizing the principles of Indian Life Management and their use skills.** | Two Hour |
| **Note - Internship of one to three months can also be done.** | | |
| **Exit Title** ➡ | **Diploma** | |

SEC - Skill Enhancement Course

**अर्हता (Eligibility) –**

किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं कक्षा उत्तीर्ण व्यक्ति इस पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु अर्ह होंगे। प्रवेश हेतु आयु सीमा का कोई बन्धन नहीं है।

The Candidate should have completed $12^{th}$ standard in any discipline from a recognized board or equivalent.

**Proposed Annual Calendar for -**

## Diploma in Indian Philosophy and Life Management

- **Advertisement date for Admission - 17 May 2022**
- **Last date for form submission - 16 Jun 2022**
- **Date of publication of Admission List - 21 Jun 2022**
- **Last date for Admission - 30 Jun 2022**

- **First Semester - From 04 July 2022 to 23 December 2022** (45 Hours)
- **Examination for Certificate Course - 19-23 December 2022**
  (Exit Title - Certificate in Indian Philosophy and Life Management)
- **Second Semester - From 02 January 2023 to 16 Jun 2023** (45 Hours)
- **Examination for Diploma Course - 12-16 Jun 2022**
  (Exit Title - Diploma in Indian Philosophy and Life Management)

## Budget Proposal for Diploma Course

| S. No. | Item | Amount | Note (If any) |
|---|---|---|---|
| 1. | Laptop/ Software/ ICT | 1,40,000 | |
| 2. | Preparation of Course Content | 40,000 | |
| 3. | Books/ Stationary | 10,000 | |
| 4. | Consultancy | 20,000 | |
| 5. | Incentive for Designer & content developer including Course Co-Ordinator and Assistant Co-Ordinator | 90,000 | |
| Total | | 3,00,000 | |
| Amount in words | | Three Lakh Rupees | |

**Course Co- Ordinator - Dr Pavan Vyas**

Dr. Pavan Vyas was born on January 1, 1978, in Ujjain. He holds a master's degree in Sanskrit (Indian Philosophy) and Acharya in Sanskrit Literature. His research degree on Mimamsa philosophy. He has received **Vikrama-Kalidasa-Puraskar** of the year 2012, given by Vikram University Ujjain. He has about fourteen years of teaching experience in the field of higher education. Presently he is Assistant Professor in Sarvadarshana Department of Central Sanskrit University, Jaipur. He is the editor of Jaipur campus's annual research magazine 'Jayanti' for the last three years. He is the Author of the book **मीमांसा दर्शन में प्रमाण विमर्श**, published from Chaukhambha Publication, Varanasi. Dr. Vyas has also received the prestigious **Bhoja Award** of Madhya Pradesh Government for the year 2019-20 for this book. He has edited three books and has about thirty research articles in various research journals. Dr. Vyas is a brilliant scholar of Indian Philosophy and Literature, so his role in this project is important.

**Assistant Course Co-Ordinator - Dr. Chetan Kumar**

S/O Gopal Das Village Anji, P. O. Dharot Teh. & Distt. Solan (H.P.). 173213. Educational Qualification - Ph.D., UGC NET - 73(2015), Designation - Assistant Professor (Guest) Central Sanskrit University Jaipur campus, Jaipur Rajasthan. Published Articles- 07, Presenting Article in National Seminar -07, National Workshop - 06, Attending National Seminar - 15.

**(Dr. Pavan Vyas)**
**Course Co- Ordinator**
**Assistant Professor**
**Department of Sarvadarshana**
**Central Sanskrit University, Jaipur Campus, Jaipur.**